ई-माहिती

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात की त्रैमासिक ई - गवर्नेंस पत्रिका

अक्टूबर-दिसंबर 2025

Vibrant GUJARAT REGIONAL CONFERENCES
Regional Aspirations, Global Ambitions

mygov मेरी सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

Digital India
Power To Empower

मोढेरा सूर्य मंदिर

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, गुजरात

मोढेरा सूर्य मंदिर

ठोल झील पक्षी अभयारण्य

हाटकेश्वर मंदिर, वडनगर

बहुचर माता मंदिर

महेसाणा
Mahesana

क्षेत्रफल	4484.10 वर्ग किमी
जनसंख्या	20 लाख
साक्षरता दर	84.76%
ब्लॉक	10
गाँव	614

संकेश्वर

कीर्ति तोरण, वड़नगर

शर्मिष्ठा तालाब

तरंगा हिल्स

विषय अनुक्रमणिका

भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन	01
उत्तर गुजरात वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन 2025	02
माननीय मुख्य सचिव, गुजरात सरकार के साथ शिष्टाचार भेंट	03
डीपीडीपी अधिनियम, 2023 पर कार्यशाला	03
12वां राज्य स्तरीय चिंतन शिविर	04
गांधीनगर में गुड गवर्नेंस हेतु एआई पर क्षेत्रीय सम्मेलन	05
आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की ई-एचआरएमएस के माध्यम से भर्ती	06
सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025	06
एनआईसी गुजरात के अधिकारियों का सेवानिवृति तथा पदस्थापन समारोह	07
एनआईसी गुजरात में दीपावली स्नेह मिलन	08
"राष्ट्रीय कर्मयोगी" लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम पर प्रशिक्षण	09
रीयल-टाइम नियामक संचार हेतु एक्सजीएन में व्हाट्सऐप सर्विस का एकीकरण	10
डिजिटल गुजरात प्लेटफ़ॉर्म पर व्हाट्सऐप आधारित प्रमाणपत्र सेवा	10

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
गुजरात राज्य केंद्र, ब्लॉक 13
द्वितीय तल, सरदार भवन
गांधीनगर, गुजरात 382010

: sio-guj@nic.in

: https://guj.nic.in

संपादकीय :
संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार सिंह
वैज्ञानिक-जी एवं
राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी गुजरात

संपादकीय टीम

श्री शैलेष खणेशा
वैज्ञानिक-डी एवं
संयुक्त निदेशक (आई.टी.)

श्री कुणाल देराश्री
वैज्ञानिक-सी एवं
उप निदेशक (आई.टी.)

एनआईसी, गुजरात के सेवानिवृत्त अधिकारी का विवरण

श्री आनंद इंदुलाल शाह
पूर्व वैज्ञानिक-जी
कर्मचारी कोड : 2954
एनआईसी राज्य केंद्र, गांधीनगर, गुजरात
एनआईसी में नियुक्ति की तिथि :
21/07/1989 (पूर्वाह्न)
सेवानिवृत्ति की तिथि :
31/10/2025 (अपराह्न)

भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन

- दो दिवसीय भूमि प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल द्वारा 3 अक्टूबर 2025 को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में किया गया।

- उद्घाटन समारोह में राज्य के पर्यटन मंत्री श्री मुलुभाई बेरा, भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी, गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, मुख्य मंत्री कार्यालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री एम.के. दास तथा राजस्व विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जयंती एस. रवी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे थे।

- सम्मेलन का उद्देश्य अधिकारियों, नीति-निर्माताओं तथा विशेषज्ञों को एक साझा मंच प्रदान करना था, जिससे भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन से संबंधित ढाँचों को सशक्त बनाने के लिए नवीन विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान किया जा सके।

- माननीय मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में ई-धरा पहल का उल्लेख किया, जिसे वर्ष 2005 में श्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान एनआईसी द्वारा आरंभ किया गया था।

- इस पहल ने गुजरात में भूमि प्रशासन के डिजिटलीकरण की मजबूत नींव रखी। उन्होंने बताया कि iORA पोर्टल जैसी पहलें नागरिकों को पूर्णतः ऑनलाइन भूमि संबंधी सेवाओं का लाभ देती हैं और अब भूमि मापन की प्रक्रिया मात्र 21 दिनों में पूर्ण हो जाती है।

श्री संजय पांडे, डीडीजी, एनआईसी
नई दिल्ली ने रेवेन्यू कोर्ट प्रोसेस री-इंजीनियरिंग पर लेक्चर

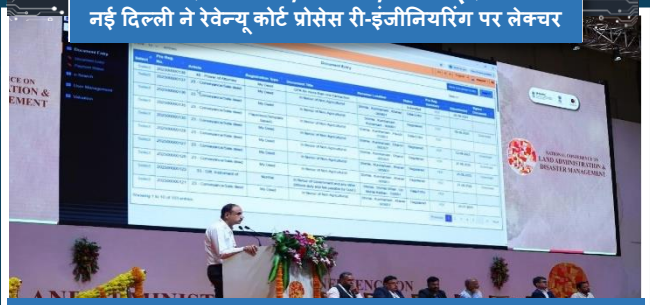

श्री राजेश भुसारी, साइंटिस्ट-एफ,
एसडीयू पुणे ने लैंड रिकॉर्ड और रजिस्ट्रेशन सिस्टम के अपग्रेडेशन पर लेक्चर

- इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री ने एकीकृत भूमि प्रशासन (ILA) वेब पोर्टल एवं आरओ डायरी एप्लिकेशन का भी शुभारंभ किया, जिन्हें एनआईसी गुजरात द्वारा राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, मॉनिटरिंग और सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। उन्होंने iORA एवं Garvi 2.0 जैसी उन्नत ई-गवर्नेंस प्रणालियों के सफल क्रियान्वयन में एनआईसी के योगदान की सराहना की, जो राज्य में नागरिक केंद्रित डिजिटल सेवाओं को सशक्त बना रही हैं।

- अपने संबोधन में श्री मनोज जोशी ने बताया कि डिजिटल इंडिया लैंड रेकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम (DoLRMP) के अंतर्गत प्रथम चरण में पाँच जिलों का चयन ड्रोन एवं रोबोट आधारित भूमि सर्वेक्षण के लिए किया गया है, जबकि शेष रहे जिलों को आगामी चरणों में सम्मिलित किया जाएगा। डॉ. जयंती एस. रवि ने राज्य सरकार की प्रौद्योगिकी आधारित प्रशासनिक सुधार एवं क्षमता निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अवगत कराया कि राजस्व प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु 2,389 तलाटियों की भर्ती की जायेगी।

भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एनआईसी मुख्यालय, पुणे एवं गांधीनगर, गुजरात टीम के अधिकारीगण

उत्तर गुजरात वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (एनवीजीआरसी)–2025, महेसाणा

» उत्तर गुजरात वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (एनवीजीआरसी)–2025 का आयोजन 9 एवं 10 अक्टूबर 2025 को महेसाणा स्थित गणपत विश्वविद्यालय में किया गया, जिसमें स्थानीय अवसरों और उपलब्धियों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम ने स्टार्टअप्स, एमएसएमई, स्थानीय उद्योगों और कुशल पेशेवरों को नई ऊर्जा प्रदान की, जिससे नवाचार-प्रधान विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा को प्रोत्साहन मिला।

» राज्य सरकार द्वारा चार क्षेत्रों में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) आयोजित करने की पहल के अंतर्गत यह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना, क्षेत्र-विशिष्ट निवेश को बढ़ावा देना तथा विकसित भारत @2047 दृष्टिकोण के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाना था।

» श्री जय सिंह चौहान, वैज्ञानिक-सी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डीआईओ), एनआईसी मेहसाणा को जिला प्रशासन द्वारा बी2बी एवं बी2जी बैठकों तथा आईसीटी समिति के नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया। एनआईसी टीम द्वारा सम्मेलन के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी सभी गतिविधियों की प्रभावी योजना, समन्वयन और पर्यवेक्षण किया गया।

» प्रमुख जिम्मेदारियों में दूरसंचार और मोबाइल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने हेतु सेवा प्रदाताओं के सहयोग से अस्थायी और स्थायी इनफ्रास्ट्रक्चर जैसे - सेल ऑन व्हील (COWs), सिग्नल बूस्टर और 4G/5G साइट्स—की व्यवस्था शामिल थी।

» इसके अतिरिक्त नगरपालिका एवं सार्वजनिक उपयोगिता एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर सम्मेलन अवधि में स्थल एवं पहुंच मार्ग के आसपास खुदाई कार्यों पर रोक सुनिश्चित की गई।

» आईसीटी समिति, एनआईसी महेसाणा के नेतृत्व में, राज्य स्तरीय टीमों और निष्पादन एजेंसियों के सहयोग से आवश्यक आईटी इनफ्रास्ट्रक्चर - कंप्यूटर हार्डवेयर, नेटवर्क सेटअप और सोलह सेमिनार हॉल में लाइव वेबकास्टिंग का कार्य सफलतापूर्वक सुनिश्चित किया गया, जिससे एनवीजीआरसी-2025 के सभी सत्रों का संचालन तकनीकी रूप से निर्बाध एवं प्रभावी रूप से संपन्न हुआ।

माननीय मुख्य सचिव, गुजरात सरकार के साथ शिष्टाचार भेंट

» **श्री प्रमोद कुमार सिंह, राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (एसआईओ), एनआईसी** गुजरात ने वरिष्ठ एनआईसी अधिकारियों के साथ 1 नवंबर 2025 को **श्री एम. के. दास, आईएएस, मुख्य सचिव, गुजरात सरकार** से शिष्टाचार भेंट की ।

» एनआईसी प्रतिनिधिमंडल में श्री ए. बी. खूंटी, वैज्ञानिक-जी एवं एएसआईओ (राज्य), श्री जे. बी. सोनी, वैज्ञानिक-जी एवं एएसआईओ (जिला), श्री हरीश एम. पटेल, वैज्ञानिक-जी एवं एएसआईओ (जिला), श्री पंकज पाठक, वैज्ञानिक-एफ, श्री निलेश जेठवा, वैज्ञानिक-सी भी सम्मिलित थे ।

» एनआईसी गुजरात ने श्री एम. के. दास के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह, परिवहन तथा राजस्व विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान अनेक ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का सफलतापूर्वक विकास एवं क्रियान्वयन किया है । इस संवादात्मक बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने सरकारी परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा एनआईसी द्वारा किए जा रहे नवाचार,आईटी पहलों के लिए प्रशंसा व्यक्त की ।

» उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए । राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी ने राज्य के डिजिटल गवर्नेंस एजेंडे को आगे बढ़ाने में एनआईसी गुजरात को निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए मुख्य सचिव का आभार व्यक्त किया ।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 पर कार्यशाला

» डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 10 अक्टूबर 2025 को नारायणी हाइट्स, अहमदाबाद में किया गया।

» यह कार्यशाला गुजरात सरकार के आईसीटी विभाग तथा एनआईसी गुजरात के अधिकारियों के लिए आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य डीपीडीपी अधिनियम के संबंध में जागरूकता बढ़ाना और इसे सरकारी अनुप्रयोगों से एकीकृत करने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना था।

» यूआईडीएआई, एनईजीडी तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों ने अधिनियम के कानूनी, तकनीकी एवं क्रियान्वयन पहलुओं पर पाँच प्रस्तुतियाँ दीं, जिसके पश्चात इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए गए। डीपीडीपी अधिनियम, 2023 भारत में डिजिटल आधारित व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के लिए एक सहमति-केंद्रित ढाँचा स्थापित करता है, जो डेटा प्रबंधकों को स्पष्ट सहमति प्राप्त करने, डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आवश्यक अवधि के लिए ही डेटा संग्रहित करने का दायित्व सौंपता है, साथ ही अनुपालन न करने पर कड़े दंड का प्रावधान करता है।इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को ई-गवर्नेंस प्रणालियों में डेटा संरक्षण मानकों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की।

12 वां राज्य स्तरीय चिंतन शिविर, धरमपुर, वलसाड

- 12वीं राज्य स्तरीय चिंतन शिविर का सफल आयोजन 27 से 29 नवंबर 2025 तक श्रीमद राजचंद्र मिशन, धरमपुर, वलसाड जिले में किया गया ।
- जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार, एनआईसी वलसाड को इस आयोजन हेतु आईसीटी इनफ्रास्ट्रक्चर की संपूर्ण योजना, तैनाती एवं पर्यवेक्षक का दायित्व सौंपा गया ।
- यह इनफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने मे एनआईसी द्वारा स्थानीय विभागों के साथ भी समन्वय किया गया जिससे पूरे आयोजन में उच्च स्तर और सुरक्षित संचार सुनिश्चित हुआ ।
- चिंतन शिविर के दौरान, 28 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिसमें प्रधान सचिव, माननीय मुख्य सचिव तथा उपाध्यक्ष, जीआईडीसी ने भाग लिया ।
- यह वीसी सुरक्षित बीएसएनएल लीज्ड लाइन तथा बैकअप कनेक्टिविटी के माध्यम से सीधे शिविर स्थल से आयोजित की गई, जिसमें शून्य डाउनटाइम तथा सुरक्षित एंड-टू-एंड ट्रांसमिशन का कार्य किया गया ।

गांधीनगर में गुड गवर्नेंस हेतु एआई पर क्षेत्रीय सम्मेलन

- गुड गवर्नेंस के लिए एआई : भारत के डिजिटल भविष्य को मज़बूत बनाने पर रीजनल प्री-समिट कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र भाई पटेल ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में किया।

- यह सम्मेलन भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत इंडिया एआई मिशन द्वारा, गुजरात सरकार तथा आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। यह आयोजन 15–20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया–एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का एक प्रमुख पूर्वाभ्यास कार्यक्रम है।

श्री अभिषेक सिंह, महानिदेशक एनआईसी का अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एसआईओ, गुजरात द्वारा स्वागत |

- सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रशासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका को सुदृढ़ करना तथा सुरक्षित, स्केलेबल एवं नागरिक-केन्द्रित डिजिटल समाधानों के माध्यम से भारत के डिजिटल परिवर्तन को गति प्रदान करना था। इस अवसर पर नीति-निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं तथा प्रौद्योगिकी नेताओं द्वारा लोक-सेवा प्रदायगी, कृषि, स्वास्थ्य, फिनटेक एवं प्रशासनिक शासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में एआई के एकीकरण पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में इंडिया एआई और डीएसटी गुजरात द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एआई अनुप्रयोगों के लाइव प्रदर्शन के साथ एआई एक्सपीरियंस ज़ोन को भी प्रदर्शित किया गया।

- गुड गवर्नेंस के लिए एआई : भारत के डिजिटल भविष्य को मज़बूत बनाना विषय पर मुख्य भाषण देते हुए, एमईआईटीवाई के अतिरिक्त सचिव, इंडिया एआई मिशन के सीईओ एवं डीजी एनआईसी, श्री अभिषेक सिंह ने बताया कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 हमारे लिए एक सुनहरा मौका है जिसके माध्यम से हम दुनिया को भारत की एआई तरक्की दिखा सकें: हम एआई को कैसे डेमोक्रेटाइज़ कर रहे हैं, इसे आम लोगों तक कैसे पहुंचा रहे हैं, और एक ऐसा भविष्य बना रहे हैं जहां इसके फायदे हर नागरिक तक पहुंचें।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की ई-एचआरएमएस के माध्यम से भर्ती

- महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ऑनलाईन ई-एचआरएमएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के 9,000 से अधिक पदों की भर्ती प्रक्रिया अगस्त 2025 में प्रारंभ की गई, यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक आवेदन प्राप्त करना, दस्तावेज़ सत्यापन, मेरिट सूची का निर्माण तथा नियुक्ति पत्र जारी करने के विभिन्न चरणों से होते हुए व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई ।

- 4 दिसंबर 2025 को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित एक भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नवनियुक्त उम्मीदवारों को आधिकारिक चयन पत्र प्रदान किए गए । इस समारोह का सीधा प्रसारण तीन क्षेत्रीय केंद्रों—राजकोट, सूरत एवं वडोदरा—में किया गया, जिससे व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हुई और इस ऐतिहासिक पहल को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया ।

एनआईसी गुजरात में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का आयोजन

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गुजरात राज्य ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह – 2025" का आयोजन "सतर्कता: एक साझा उत्तरदायित्व" विषय के अंतर्गत किया ।

- 27 अक्टूबर 2025 को एनआईसी गुजरात के समस्त राज्य एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने महानिदेशक, एनआईसी द्वारा कराई गई ईमानदारी की शपथ ली, जिसमें कई अधिकारियों ने ई-प्रतिज्ञा भी ली । सभी अधिकारियों को समस्त सरकारी गतिविधियों में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए तथा कार्यालय परिसर में सतर्कता जागरूकता से संबंधित बैनर प्रदर्शित किए गए ।

- सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए अधिकारियों एवं संविदा कर्मचारियों हेतु तीन श्रेणियों "**निबंध लेखन, नारा लेखन तथा पोस्टर निर्माण**" में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई जिन्हे नियत ईमेल पर एनआईसी-मुख्यालय को प्रेषित किया गया ।

एनआईसी गुजरात के अधिकारियों की सेवानिवृत्ति और स्थानांतरण पोस्टिंग समारोह

» राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गुजरात राज्य से अक्टूबर माह में श्री पी. एस. कन्नन - वैज्ञानिक ई, श्री सबरीनाथन एस.ए - वैज्ञानिक डी एवं श्री रूपेश गोविंद गुजराती - वैज्ञानिक डी दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को अपने इच्छित स्थान पर पदस्थापन होने से कार्यमुक्त किए गये | सभी अधिकारीगण के सम्मान में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया |

» राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), गुजरात राज्य से अक्टूबर माह में ही श्री आनंद इंदुलाल शाह - वैज्ञानिक जी 36 वर्षों की सेवा पूर्ण कर दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को सेवानिवृत हुए | श्री आनंद शाह के सम्मान में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया |

एनआईसी गुजरात में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

प्रत्येक वर्ष की परम्परा को कायम रखते हुये इस वर्ष भी एनआईसी गुजरात में दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया | सभी अधिकारी और कर्मचारी पारंपरिक वेषभूषा मे आए और पूरे एनआईसी कार्यालय मे सुंदर सजावट की गयी साथ ही सभी के लिए दोपहर मे समूहिक भोजन की व्यवस्था भी की गयी |

"राष्ट्रीय कर्मयोगी" लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम पर प्रशिक्षण

- भारत सरकार द्वारा प्रशासन को सुदृढ़ करने तथा सेवा निस्तारण में सुधार लाने के उद्देश्य से प्रारंभ राष्ट्रीय कर्मयोगी लार्ज स्केल जन सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत, एनआईसी गुजरात ने एनआईसी गुजरात एवं एनआईसी दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव (केंद्र शासित प्रदेश) के अधिकारियों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को सरकार की कुशल, नैतिक एवं नागरिक-केंद्रित सेवा की बहुआयामी दृष्टि से जोड़ना था।

- प्रशिक्षण ने राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के मूल सिद्धांतों की गहन जानकारी प्रदान की, जिससे उत्कृष्टता एवं जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा मिला । श्री अतुल खूंटी, वैज्ञानिक-जी एवं एएसआईओ राज्य, गुजरात, तथा श्री अनिल वर्मा, वैज्ञानिक-डी, डीएनएचडीडी ने मास्टर प्रशिक्षकों के रूप में कार्य करते हुए सत्रों को सूचनाप्रद एवं राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सुनिश्चित किया । कार्यक्रम का आयोजन गांधीनगर स्थित एनआईसी राज्य वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल में चार बैचों में किया गया, जिसमें प्रत्येक बैच में 19 से 20 प्रतिभागी थे, और कुल 79 अधिकारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया ।

- कार्यक्रम एक संरचित एक दिवसीय, दो सत्रीय प्रारूप में आयोजित किया गया । प्रातःकालीन सत्र में कार्यक्रम परिचय, "कौन है राष्ट्रीय कर्मयोगी," तथा "सफलता एवं संतुष्टि की हमारी दृष्टि का विस्तार" शामिल थे, जबकि दोपहर के भोजन के पश्चात का सत्र "कर्मयोगी क्षण निर्माण" तथा "राष्ट्रीय कर्मयोगी – राष्ट्र निर्माता" पर केंद्रित था । प्रतिभागियों ने टीम-आधारित चुनौतियों, भूमिका निर्वहन, केस स्टडी तथा चिंतनशील चर्चाओं में भाग लिया, जो व्यक्तिगत प्रभावशीलता एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे । अपने उद्घाटन संबोधन में श्री प्रमोद कुमार सिंह, एसआईओ गुजरात ने एक सच्चे राष्ट्रीय कर्मयोगी के मूल सिद्धांतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला ।

- सभी प्रतिभागियों ने आकलन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया और उन्हें "राष्ट्रीय कर्मयोगी" की उपाधि एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का समापन एक विदाई सत्र के साथ हुआ, जिसमें श्री प्रमोद कुमार सिंह, एसआईओ गुजरात, तथा श्री प्रमोद बोरोले, एसआईओ डीएनएचडीडी ने मास्टर प्रशिक्षकों एवं आयोजक टीम की सराहना की और उन्हें स्मृति चिह्नों से सम्मानित किया । कार्यक्रम का कुशल समन्वय श्री संजय रामदेव, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रशिक्षण समन्वयक; श्री पल्लव केंदुरकर, वैज्ञानिक-ई; तथा श्री अर्पित पारिख, वैज्ञानिक-सी द्वारा किया गया, जबकि नेटवर्क सहायता श्री सुधीर बरवाल, वैज्ञानिक-एफ, तथा उनकी टीम द्वारा सुनिश्चित की गई ।

रीयल-टाइम नियामक संचार हेतु एक्सजीएन में व्हाट्सऐप सर्विस का एकीकरण

- नागरिकों के साथ प्रभावी संचार, पारदर्शिता तथा समयबद्ध सूचना प्रसारण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से **एक्सजीएन पोर्टल** में व्हाट्सऐप पर नागरिक सेवाओं का एकीकरण सफलतापूर्वक लागू किया गया है।
- इस पहल के माध्यम से आवेदकों, उद्योगों एवं हितधारकों को स्वचालित और रीयल-टाइम सूचनाएँ प्राप्त होती हैं, जिससे मैनुअल संचार पर निर्भरता कम हुई है और सेवा वितरण में सुधार हुआ है।

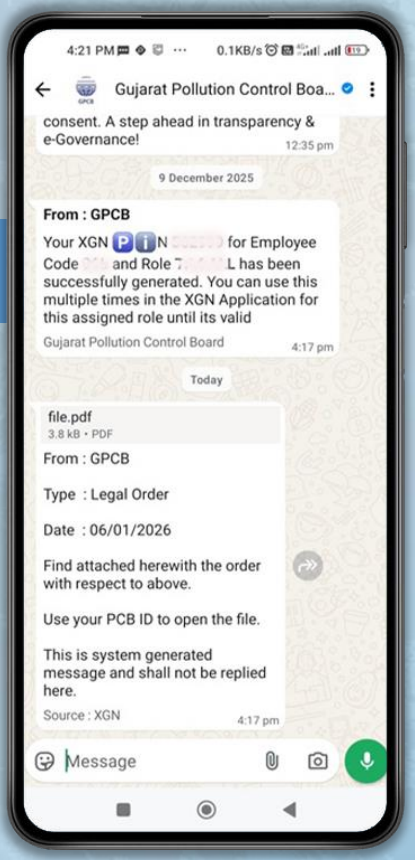

यह एकीकरण विभिन्न महत्वपूर्ण मॉड्यूल्स में लागू किया गया है, जिससे नियामक संचार शीघ्र एवं विश्वसनीय रूप से सुनिश्चित हो सके |

- **कंसेंट आउटवर्ड मॉड्यूल:** कंसेंट जारी होने एवं प्रेषण से संबंधित त्वरित सूचनाएँ आवेदकों को ऑनलाइन प्राप्त होती हैं।
- **डायरेक्शन मॉड्यूल:** पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत जारी निर्देशों की जानकारी संबंधित इकाइयों को तुरंत प्राप्त होती है।
- **क्लोज़र ऑर्डर मॉड्यूल:** क्लोज़र ऑर्डर जारी होने पर हितधारकों को तत्काल व्हाट्सऐप अलर्ट भेजे जाते हैं।
- **एक्सजीएन पिन सूचनाएँ:** अधिकारियों द्वारा प्रणाली में किए गए अधिकृत कार्यों के लिए एक्सजीएन पिन आधारित अलर्ट ऑनलाइन प्रदान किए जाते हैं।
- **अन्य सिस्टम अलर्ट:** आवेदन स्थिति में परिवर्तन, वर्कफ़्लो गतिविधियों एवं प्रमुख प्रक्रियागत चरणों से संबंधित सूचनाएँ भी प्रेषित की जाती हैं।

इस व्हाट्सऐप एकीकरण के माध्यम से एक्सजीएन पोर्टल ने डिजिटल गवर्नेंस, अनुपालन निगरानी तथा हितधारक सहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया है, जिससे समयबद्ध एवं नागरिक-केन्द्रित सेवाएँ सुनिश्चित हो रही हैं।

डिजिटल गुजरात प्लेटफ़ॉर्म पर व्हाट्सऐप आधारित प्रमाणपत्र सेवा

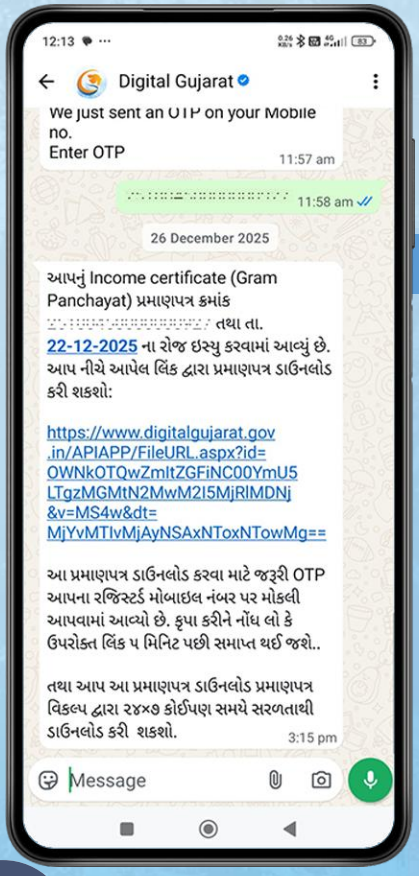

- ગુજરાત સરકાર ने डिजिटल गुजरात प्लेटफ़ॉर्म के साथ व्हाट्सऐप को एकीकृत कर नागरिकों के लिए ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार किया है । यह पहल स्वचालित डिजिटल आधारित प्रमाणपत्रों की डिलीवरी एवं इनको पुनःप्राप्ति की सुविधा वर्कफ़्लो के माध्यम से सरकारी प्रमाणपत्रों तक सुरक्षित एवं मांग-आधारित पहुँच प्रदान करती है, जिससे नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता, सुविधा और सेवा-प्रतिक्रियाशीलता में वृद्धि हुई है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- **पुश प्रमाणपत्र सेवा:** नागरिक डिजिटल गुजरात पोर्टल या जनसेवा/ई-ग्राम केंद्रों के माध्यम से आवेदन कर इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी की सहमति देते हैं। सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद एक-बार उपयोग योग्य हेतु सुरक्षित लिंक व्हाट्सऐप पर भेजा जाता है। ओटीपी प्रमाणीकरण के पश्चात डिजिटली हस्ताक्षरित पीडीएफ प्रमाणपत्र डाउनलोड हेतु उपलब्ध होता है।
- **पुल प्रमाणपत्र सेवा:** नागरिक व्हाट्सऐप पर मेनू-आधारित विकल्पों के माध्यम से पूर्व स्वीकृत प्रमाणपत्रों को प्राप्त कर सकते हैं। ओटीपी सत्यापन के बाद सुरक्षित लिंक के माध्यम से ई-हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र डिजिटल गुजरात रिपॉजिटरी से तुरंत उपलब्ध कराया जाता है।
- **सुरक्षा एवं अनुपालन:** ओटीपी प्रमाणीकरण एवं डिजिटल हस्ताक्षरों के उपयोग से प्रमाणपत्रों की प्रामाणिकता, अखंडता तथा आईटी अधिनियम व ई-गवर्नेंस मानकों के अनुरूपता सुनिश्चित होती है।
- **दक्षता एवं समावेशन:** स्वचालित प्रक्रियाएँ भौतिक उपस्थिति, मैनुअल कार्य और प्रक्रिया समय को कम करती हैं, जबकि व्हाट्सऐप के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कभी भी, कहीं भी पहुँच संभव होती है।

Subject Index

National Conference on Land Administration	01
North Vibrant Gujarat Regional Conferences 2025	02
Courtesy Visit to the Hon'ble Chief Secretary, Gov. of Gujarat	03
Workshop on DPDP Act, 2023	03
12th State-Level Chintan Shivir	04
Regional Conference on AI for Good Governance in Gandhinagar	05
Recruitment Drive through e-HRMS for Anganwadi Workers and Helpers	06
Vigilance Awareness Week 2025	06
Retirement and transfer posting ceremony of NIC Gujarat officers	07
Diwali Sneh Milan at NIC Gujarat	08
Training on "Rashtriya Karmayogi" Large-Scale Jan Seva Program	09
WhatsApp Integration in XGN for Real-Time Regulatory Communication	10
WhatsApp-Enabled Certificate Delivery on the Digital Gujarat Platform	10

National Informatics Centre
Gujarat State Centre, Block 13
Second Floor, Sardar Bhavan
Gandhinagar, Gujarat – 382010

: sio-guj@nic.in

: https://guj.nic.in

Editorial:

Patron

Shri Pramod Kumar Singh
Scientist-G and
State Informatics Officer, Gujarat

संपादकीय टीम

Shri Shailesh Khanesha
Scientist-D and
Joint Director (IT)

Shri Kunal Derashri
Scientist-C and
Deputy Director (IT)

Retired Officer of NIC Gujarat

Shri Anand Indulal Shah
Former Scientist-G
Employee Code: 2954
NIC State Centre, Gandhinagar, Gujarat
Date of Appointment in NIC:
21/07/1989 (Forenoon)
Date of Retirement:
31/10/2025 (Afternoon)

National Conference on Land Administration and Disaster Management

- The two-day National Conference on Land Administration and Disaster Management was inaugurated by Shri Bhupendrabhai Patel, Hon'ble Chief Minister of Gujarat, on 3rd October 2025 at the Mahatma Mandir Convention Centre, Gandhinagar. The inaugural ceremony witnessed the presence of several dignitaries, including Shri Mulubhai Bera, Minister for Tourism, Government of Gujarat, Shri Manoj Joshi, Secretary, Department of Land Resources, Government of India, Shri Pankaj Joshi, Chief Secretary, Government of Gujarat, Shri M. K. Das, Additional Chief Secretary, CMO-Gujarat and Dr. Jayanti S. Ravi, Additional Chief Secretary, Revenue Department, Government of Gujarat.

- The conference aimed to provide a national platform for officials, policymakers, and experts to share insights and innovative practices for strengthening land administration and disaster management frameworks. Addressing the gathering, the Hon'ble Chief Minister highlighted that the landmark e-Dhara initiative implemented by NIC in 2005 during the tenure of Shri Narendra Modi as Chief Minister laid the foundation for Gujarat's transformation in digital land governance. He emphasized that digital initiatives like the iORA portal have enabled citizens to access end-to-end online land services while ensuring that land measurements are completed within a time frame of just 21 days.

- On the occasion, the Chief Minister also inaugurated the Integrated Land Administration (ILA) web portal and the RO Diary application, designed and developed by NIC Gujarat to enhance transparency, monitoring, and service delivery in revenue administration. He appreciated NIC's continued contribution in implementing advanced e-governance platforms such as iORA and Garvi 2.0, which are supporting citizen-centric digital services across the State.

- Addressing the conference Shri Manoj Joshi said that under the Digital India Land Records Modernization Program (DoLRMP), five districts have been selected in the first phase for drone and robot based land surveys, with remaining districts to be covered in subsequent phases.

Shri Sanjay Pandey, DDG (NIC HQ)
delivered lecture on Revenue court process reengineering.

Shri Rajesh Bhusari, Scientist – F (SDU Pune)
delivered lecture on upgradation of land records and registration system

- Dr. Jayanti S. Ravi reiterated the State Government's commitment to technology-enabled reforms and capacity building and shared that 2,389 Talatis are being recruited to further strengthen revenue processes and field-level service delivery.

- Senior officers from NIC Headquarters, New Delhi, NIC Software Development Unit (SDU), Pune and NIC Gujarat participated in the conference, including Shri Sanjay Pandey, DDG, NIC New Delhi, Shri Pramod Kumar Singh, DDG & SIO, NIC Gujarat, Shri D.S. Venkat, Scientist-F, NIC New Delhi, Shri Rajesh Bhusari, Scientist-F, SDU Pune, Shri Jagdish Soni, Scientist-G, Shri Anand Shah, Scientist-G, Shri Kiran Shah, Scientist-F, Shri Shailesh Khanesha, Scientist-D, Shri Bhoopat Singh Patel, Scientist-D, Shri Nilesh Jethava, Scientist-C and Shri Kunal Derashri, Scientist-C from NIC Gujarat.

- Invited experts from NIC HQ New Delhi and NIC SDU Pune also contributed as panel members and delivered technical sessions on revenue court process re-engineering and modernization of land records and registration systems, supporting the vision of future-ready digital land governance.

Officials from the NIC Headquarters, SDU Pune and Gandhinagar, Gujarat at the National Conference on Land Administration and Disaster Management.

North Vibrant Gujarat Regional Conferences (NVGRC)–2025 at Mahesana

- The North Vibrant Gujarat Regional Conference (NVGRC) – 2025 was organized at Ganpat University, Mahesana, on 9th and 10th October 2025, showcasing local opportunities and achievements on the global platform.

- The event infused new momentum into startups, MSMEs, local industries, and skilled professionals, supporting the broader vision of innovation-led growth and self-reliance.

- As part of the State Government's initiative to host Vibrant Gujarat Regional Conferences (VGRC) across four regions, the NVGRC aimed to foster regional industrial growth, encourage sector-specific investment, and build international collaboration in alignment with the Viksit Bharat @2047 vision.

- Shri Jay Singh Chauhan, Scientist C and District Informatics Officer (DIO), NIC Mahesana, was designated as the Nodal Officer of the Committee on B2B and B2G Meetings and ICT by the District Administration.

- The NIC team efficiently planned, coordinated, and monitored all information technology-related activities throughout the event. Key responsibilities included strengthening telecom and mobile connectivity in coordination with service providers by facilitating temporary and permanent infrastructure such as *Cell on Wheels (COWs)*, signal boosters, and 4G/5G sites.

- Coordination was also undertaken with municipal and utility authorities to prevent excavation around the venue and approach roads during the conference period.

- The ICT Committee, with NIC Mahesana's leadership, successfully provided comprehensive IT infrastructure support—including hardware provisioning, network setup, and live webcasting across sixteen seminar halls in collaboration with state-level teams and implementing agencies—ensuring seamless technical operations throughout the NVGRC-2025 proceedings.

Courtesy Visit to the Hon'ble Chief Secretary, Government of Gujarat

- Shri Pramod Kumar Singh, State Informatics Officer (SIO), NIC Gujarat, along with senior NIC officials, paid a courtesy visit to Shri M. K. Das, IAS, Chief Secretary, Government of Gujarat, on 1st November 2025.

- The NIC delegation included Shri A. B. Khunti, Scientist-G & ASIO (State), Shri J. B. Soni, Scientist-G & ASIO (District), Shri Hariesh M. Patel, Scientist-G & ASIO (District), Shri Pankaj Pathak, Scientist-F and Shri Nilesh Jethva, Scientist-C.
- NIC Gujarat has successfully developed and implemented several e-governance projects under the guidance of Shri M. K. Das during his tenure as Additional Chief Secretary of key departments including CMO, Home, Transport, and Revenue.
- During the interactive session, the Chief Secretary expressed appreciation for NIC's sustained efforts in the successful implementation of government projects and innovative IT initiatives
- He shared valuable suggestions for enhancing transparency and citizen-centric service delivery through digital platforms. The SIO thanked the Chief Secretary for his continued support and guidance to NIC Gujarat in advancing the state's digital governance agenda.

Workshop on Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023

- A one-day workshop on the Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023 was organized by the Nationale-Governance Division (NeGD), Ministry of Electronics and Information Technology, on 10th October 2025 at Narayani Heights, Ahmedabad.

- The workshop was conducted for officials from the Gujarat Government ICT Department and NIC Gujarat to create awareness about the DPDP Act and facilitate its integration into government applications.
- Subject matter experts from UIDAI, NeGD, and corporate entities delivered five presentations covering legal, technical, and implementation aspects of the Act, followed by interactive sessions.

- Subject matter experts from UIDAI, NeGD, and corporate entities delivered five presentations covering legal, technical, and implementation aspects of the Act, followed by interactive sessions.

12th State-Level Chintan Shivir at Dharampur, Valsad

- The 12th State-Level Chintan Shivir was successfully conducted from 27th to 29th November 2025 at Shrimad Rajchandra Mission, Dharampur, Valsad District.
- As per the District Collector's directive, NIC Valsad managed end-to-end ICT infrastructure planning, deployment, and monitoring for the event.
- This infrastructure was developed in coordination with NIC and local departments, ensuring high availability and secure communication throughout the entire event.
- During the Shivir, a Video Conference with the Prime Minister's Office was successfully conducted on 28th November 2025, led by the Principal Secretary with the Hon'ble Chief Secretary and Vice Chairman, GIDC.
- the VC was held directly from the venue using a secured BSNL leased line with backup connectivity, achieving zero downtime and secure end-to-end transmission.

Regional Conference on AI for Good Governance in Gandhinagar

- The Regional Pre-Summit Conference on AI for Good Governance: Empowering India's Digital Future was inaugurated by Hon'ble Chief Minister of Gujarat Shri Bhupendra bhai Patel at Mahatma Mandir, Gandhinagar.

- The conference was jointly organized by the IndiaAI Mission under the Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Government of India, in collaboration with the Government of Gujarat and IIT Gandhinagar, as a precursor to the India–AI Impact Summit 2026 scheduled in New Delhi from 15–20 February 2026.

Warm welcome to Shri Abhishekh Singh, DG, NIC at Ahmedabad Airport by SIO, Gujarat.

- The conference focused on advancing the role of Artificial Intelligence in governance and accelerating India's digital transformation through secure, scalable, and citizen-centric solutions. Policymakers, industry experts, researchers, and technology leaders deliberated on the integration of AI across sectors including public service delivery, agriculture, healthcare, fintech, and administrative governance. The event also featured an AI Experience Zone showcasing live demonstrations of governance and sectoral AI applications jointly developed by IndiaAI and DST Gujarat.

- Delivering a keynote address on AI for Good Governance: Empowering India Digital Future, Shri Abhishek Singh, Additional Secretary, MeitY, CEO IndiaAI Mission, DG NIC highlighted, that India AI Impact Summit 2026 is an opportunity for us to showcase India Al advancements to the world: how we are democratizing Al, taking it to the masses, and shaping a future where its benefits reach every citizen.

Recruitment Drive through e-HRMS for Anganwadi Workers and Helpers

- The Women and Child Development Department successfully completed a major recruitment drive through the e-HRMS platform to fill more than 9,000 posts of Anganwadi Workers and Helpers. Initiated in August 2025, the process progressed systematically through online applications, document scrutiny, merit generation, and appointment letter issuance.

- A grand state-level event was organized on 4th December 2025 at Mahatma Mandir, Gandhinagar, where the Hon'ble Chief Minister and Hon'ble Minister, Women and Child Development Department, awarded official selection letters to the newly appointed candidates. The ceremony was simultaneously live-telecast across three regional centers—Rajkot, Surat, and Vadodara—enabling wider participation and adding significance to this landmark initiative.

Vigilance Awareness Week 2025 Observed at NIC Gujarat

National Informatics Centre (NIC), Gujarat State, observed *Vigilance Awareness Week – 2025* from 27th October to 2nd November 2025 under the theme ***"Vigilance: A Shared Responsibility"***.

- On 27th October 2025, all NIC Gujarat State and District Officers took the Integrity Pledge administered by the Director General, NIC, with many officers also taking the e-Pledge. Officers were directed to uphold transparency, fairness, and adherence to rules in all official activities, and banners promoting vigilance awareness were displayed prominently at office premises.

- To encourage active participation, competitions were organized for officers and contractual staff in three categories **"Essay Writing, Slogan Writing, and Poster Making"** with numerous entries received and submitted to the designated email of NIC HQ, New Delhi.

Retirement and posting ceremony of NIC Gujarat officers

» Mr. P. S. Kannan - Scientist E, Mr. Sabarinathan S.A - Scientist D, and Mr. Rupesh Govind Gujarati - Scientist D, from the National Informatics Centre (NIC), Gujarat state, were relieved from their duties on October 10, 2025, upon their transfer to their desired locations. A farewell ceremony was organized in honor of all the officers.

» Mr. Anand Indulal Shah, Scientist G, from the National Informatics Centre (NIC), Gujarat state, retired on October 31, 2025, after completing 36 years of service in the month of October. A farewell ceremony was organized in honor of Mr. Anand Shah.

Diwali Sneh Milan Celebration organized at NIC Gujarat

Keeping up with the tradition of every year, this year also the Deepawali Sneh Milan function was organized with great enthusiasm in NIC Gujarat. All the officers and staff came in traditional attire, and the entire NIC office was beautifully decorated and a community lunch was also arranged for all.

Training on "Rashtriya Karmayogi" Large-Scale Jan Seva Program

- As part of the Rashtriya Karmayogi Large-Scale Jan Seva Program launched by the Government of India to strengthen governance and enhance service delivery, NIC Gujarat conducted a comprehensive training program for officials of NIC Gujarat and NIC Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu (UT). The initiative aimed to align participants with the Government's vision of efficient, ethical, and citizen-centric public service.

- The training provided in-depth coverage of the core principles of the Rashtriya Karmayogi Mission, fostering a culture of excellence and accountability. Shri Atul Khunti, Scientist-G & ASIO State, Gujarat, and Shri Anil Verma, Scientist-D, DNHDD, served as master trainers, ensuring that sessions were informative and aligned with national objectives. The program was conducted in four batches of 19 to 20 participants each at the NIC State Video Conference Hall in Gandhinagar, successfully training 79 officials.

- The program followed a structured one-day, two-session format. The morning session covered Program Introduction, "Who is a Rashtriya Karmayogi," and "Expanding Our Vision of Success and Fulfilment," while the post-lunch session focused on "Creating Karmayogi Moments" and "The Rashtriya Karmayogi – The Nation Builder". Participants engaged in team-based challenges, role plays, case studies, and reflective discussions designed to strengthen personal effectiveness and professional commitment. In his inaugural address, Shri Pramod Kumar Singh, SIO Gujarat, highlighted the importance of embodying the core principles of a true Rashtriya Karmayogi.

- All participants successfully completed the assessment and were awarded the title and certificate of "Rashtriya Karmayogi". The program concluded with a valedictory session where Shri Pramod Kumar Singh, SIO Gujarat, and Shri Pramod Borole, SIO DNHDD, commended the master trainers and organizing team, who were felicitated with tokens of appreciation. The program was efficiently coordinated by Shri Sanjay Ramdeo, Scientist-F and Training Coordinator; Shri Pallav Kendurkar, Scientist-E; and Shri Arpit Parikh, Scientist-C, with network support from Shri Sudhir Barwal, Scientist-F, and his team.

WhatsApp Service Integration in XGN for Real-Time Regulatory Communication

- To enhance citizen communication, transparency, and timely dissemination of information, WhatsApp integration has been implemented in the XGN portal. The initiative enables automated, real-time notifications to applicants, industries, and stakeholders, reducing dependency on manual communication and improving overall service delivery.

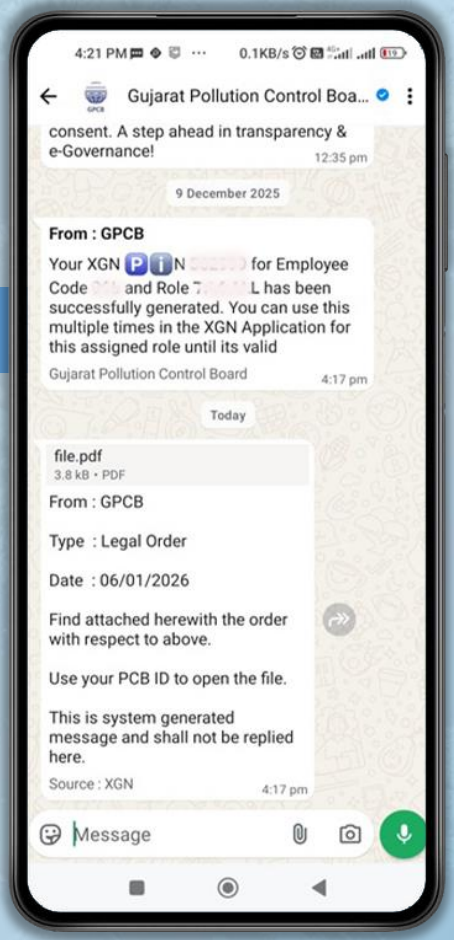

The integration covers multiple critical modules to ensure prompt and reliable delivery of regulatory communications:

- **Consent Outward Module:** Applicants receive instant alerts on issuance and movement of consent-related communications.
- **Direction Module:** Automated notifications inform regulated units about directions issued under applicable environmental laws.
- **Closure Order Module:** WhatsApp alerts ensure immediate communication of closure orders to concerned stakeholders.
- **XGN PIN Notifications:** Alerts support officer authentication and authorization of official actions within the system.
- **Other System Alerts:** Notifications are triggered for application status changes, workflow actions, and key process milestones.

Through this integration, the XGN portal strengthens digital governance, compliance monitoring, and stakeholder engagement by ensuring consistent, timely, and citizen-centric communication.

WhatsApp Enabled Certificate Delivery on the Digital Gujarat Platform

- The Government of Gujarat has introduced WhatsApp-based delivery and retrieval of citizen certificates through integration with the Digital Gujarat platform. The initiative enables secure, on-demand access to government-issued certificates using automated digital workflows, improving convenience, transparency, and service responsiveness.

Key Features of WhatsApp Certificate Services

- **Push Certificate Service**: Citizens apply through Digital Gujarat or Janseva /e-Gram centers and consent to electronic delivery. After approval, a one-time secure link is sent via WhatsApp. Access is authenticated through OTP verification, enabling download of the digitally signed PDF certificate.
- **Pull Certificate Service:** Citizens can retrieve previously approved certificates using menu-based WhatsApp options. OTP-based authentication generates a secure link, allowing instant access to e-signed certificates from the Digital Gujarat repository.
- **Security & Compliance:** Use of OTP authentication and digital signatures ensures document integrity, non-repudiation, and compliance with IT Act and e-governance standards.
- **Efficiency & Inclusion:** End-to-end automation reduces processing time and manual handling, while WhatsApp enables anytime, anywhere access for citizens across urban and rural areas.

Dharoi Dam, Mahesana

धरोई बांध, महेसाणा

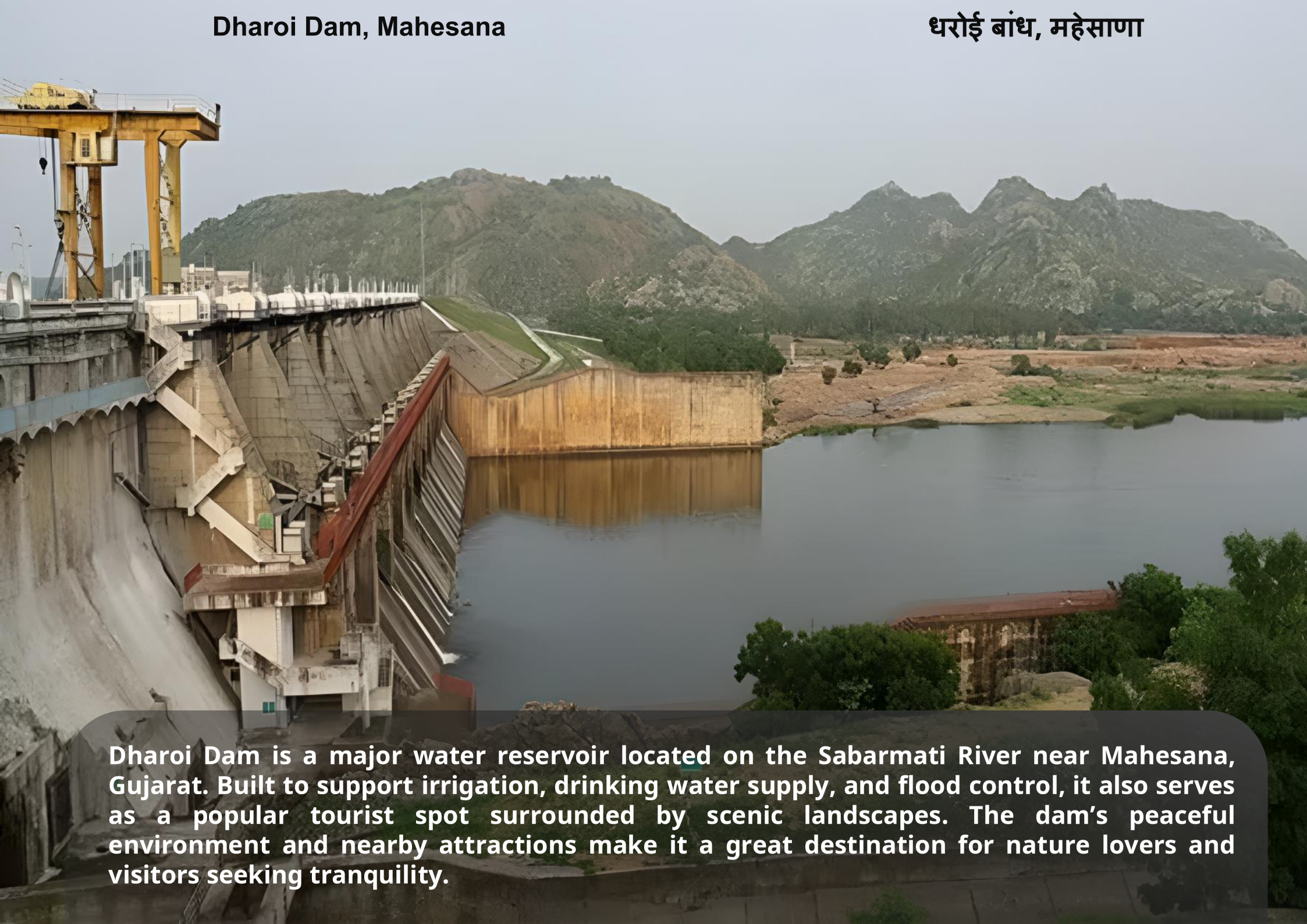

Dharoi Dam is a major water reservoir located on the Sabarmati River near Mahesana, Gujarat. Built to support irrigation, drinking water supply, and flood control, it also serves as a popular tourist spot surrounded by scenic landscapes. The dam's peaceful environment and nearby attractions make it a great destination for nature lovers and visitors seeking tranquility.

E-MAHITI

An e-GOVERNANCE MAGZINE FROM NATIONAL INFORMATICS CENTRE,

October- December 2025

Vibrant GUJARAT REGIONAL CONFERENCES
Regional Aspirations, Global Ambitions

mygov मेरी सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

Digital India
Power To Empower

Sun Temple